मूल्यांकन की विशेषताएँ (characteristics of Evaluation) →

① मूल्यांकन की प्रक्रिया में वे सभी व्यक्ति भाग लेते हैं जिनके द्वारा यह संचालित की जाती है।

② मूल्यांकन निरन्तर चलती रहती है।

③ मूल्यांकन निदानात्मक होता है। इसके द्वारा बालक की वर्तमान दशा में सुधार किया जाता है।

④ मूल्यांकन में श्रम, धन और समय की अधिक आवश्यकता होती है।

⑤ मूल्यांकन में कई परीक्षाओं का समावेश होता है।

⑥ मूल्यांकन में सार्थकता के साथ भविष्यवाणी भी की जा सकती है।

⑦ यह शिक्षा प्रणाली का अभिन्न एवं आवश्यक अंग है।

⑧ मूल्यांकन अगले स्तर के लिए आधार प्रस्तुत करता है तथा व्यापक रूप से सूक्ष्मतः प्रगति का भी ज्ञान करता है।

Scanned with CamScanner

मापन की विशेषताएँ (Characteristics of Measurement) →

① तुलनात्मक मापन का अभाव (Lack of comparative Study) → मापन के द्वारा दो चीजों के मध्य तुलना नहीं की जा सकती है जैसे - राम को गणित की परीक्षा में 50 अंक प्राप्त होते हैं तथा श्याम को 40 अंक प्राप्त होते हैं।

② मितव्ययी प्रणाली (Economic System) → मापन की प्रक्रिया में अधिक समय एवं धन की आवश्यकता नहीं होता है। मापन की प्रणाली में सरलता पूर्वक किसी गुण या स्किल का मापन किया जा सकता है। जैसे - बुद्धि-लब्धि के लिए मापन प्रक्रिया में सामान्य रूप से अपनायी जाती है।

③ सीमित क्षेत्र (Limited field) → मापन का क्षेत्र सीमित होता है। इसमें छात्र के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का मापन नहीं किया जा सकता है। मापन के द्वारा एक निश्चित गुण या तथ्य का मापन किया जाता है। अतः मापन का उद्देश्य इकांकी व्यवस्था की ओर संकेत करता है।

④ पाठ्य वस्तु केन्द्रित (Content centred) → मापन पाठ्य वस्तु पर ही आधारित होता है। इसके द्वारा शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति नहीं की जा सकती है। जैसे - छात्रों के सर्वांगीण विकास का कार्य मापन द्वारा सम्भव नहीं होता है बल्कि यह छात्रों के एक पक्ष को ही मापन कर सकता है।

⑤ मापन एक साधन है (Measurement is a means) →

मापन एक साधन के रूप में कार्य करता है साध्य के रूप में नहीं। मापन के द्वारा ही किसी छात्र के विषय में कमजोरी का ज्ञान किया जा सकता है उसकी समस्या समाधान का विचार प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

⑥ साक्ष्यों का एकीकरण (Collection of evidences) → मापन के द्वारा छात्र से सम्बंधित विभिन्न गुणों के साक्ष्यों का एकीकरण किया जाता है। इसके आधार पर आंकिक मान प्रदान करके छात्र के उपलब्धि सम्बंधी तथ्य एकत्रित किये जाते हैं।

⑦ मात्रात्मक व्यवस्था (Quantitative System) → मापन द्वारा किसी तथ्य की मात्रा के बारे में विचार प्रस्तुत किये जाते हैं। जैसे - बुद्धिलब्धि मापन में मापन के द्वारा छात्रों की बुद्धिलब्धि स्तर को अंक प्रदान किया जाता है। इस प्रकार मापन एक मात्रात्मक व्यवस्था है।

⑧ आंकिक निरीक्षण (Numerical Inspection) → मापन एक प्रकार का आंकिक निरीक्षण है जिस प्रकार निरीक्षण के समय हम व्यक्ति के बारे में सकारात्मक एवं नकारात्मक विचार प्रस्तुत करते हैं ठीक उसी प्रकार अंकों के माध्यम से मापन में उसकी उन्नति एवं अवनति को प्रदर्शित करते हैं। अतः मापन में प्रत्येक निरीक्षण के लिए अंक प्रदान किये जाते हैं।

⑨ स्पष्ट विचार का अभाव (Lack of clear Thought) → मापन के द्वारा किसी छात्र के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती है। जैसे- राधा कक्षा ८ से लेकर १० तक गणित परीक्षा में ६८% अंक प्राप्त करती है। किन कारणों से गणित में उसकी यह स्थिति रहती है।

Scanned with CamScanner

मापन एवं मूल्यांकन में अन्तर (Difference between Measurement and Evaluation) →

मापन	मूल्यांकन
(1) मापन का क्षेत्र सीमित है, क्योंकि वह कुछ पहलुओं का ही मापन कर सकता है।	(1) मूल्यांकन का क्षेत्र व्यापक होता है, यह सर्वांगीण होता है।
(2) मापन के द्वारा तुलनात्मक अध्ययन सम्भव नहीं है।	(2) इसके आधार पर छात्र का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
(3) यह कम समय लेता है क्योंकि किसी एक पहलू को मापते हैं अतः कम शक्ति तथा कम साधनों की आवश्यकता होती है।	(3) यह अधिक समय लेता है, क्योंकि इसमें छात्रों की रुचियों, क्षमताओं, कौशलों आदि का एक साथ मूल्यांकन किया जाता है। अतः अधिक समय तथा संसाधनों की आवश्यकता होती है।
(4) मापन का कार्य केवल अंक प्रदान करना होता है जैसे - 45 अंक	(4) यह मापन के बाद मूल्य प्रदान करने की प्रक्रिया है कि अन्य छात्रों की तुलना में वह कैसा है।
(5) मापन केवल मात्रात्मक है।	(5) यह मात्रात्मक तथा गुणात्मक दोनों ही प्रकार का है।
(6) इसके द्वारा भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।	(6) मूल्यांकन के द्वारा भविष्यवाणी की जा सकती है कि छात्र वर्तमान स्थिति के आधार पर भविष्य में क्या स्थिति होगी।

Scanned with CamScanner